मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BBHF–001

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

(बी. डी. पी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

बी.बी.एच.एफ.-001 : भोजपुरी में आधार पाठ्यक्रम

समय : 2 घण्टे अधिकतम अंक : 50

नोट : *सभे प्रश्नन के उत्तर देवे के बा।*

---

1. नीचे लिखल वाक्य में से सही **अथवा** गलत के पहचान करीं : 5

   (क) भोजपुरी भाषा का इतिहास डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय के लिखल किताब ह। (सही/गलत)

   (ख) भोजपुरी भाषा में 'मैं' खातिर प्रयुक्त शब्द 'हम' व्यष्टि चेतना के उजागर करेला। (सही/गलत)

   (ग) खान-पान संस्कृति के अंग ह। (सही/गलत)

(घ) भोजपुरी के आदि कवि सरहपा के मानल जाला।

(सही/गलत)

(ङ) दरियादास के भाषा शाहाबाद के भोजपुरी ह।

(सही/गलत)

2. सही उत्तर से खाली जगह के भरीं : 5

(क) परमारवंशी राजा भोज के सम्बन्ध ..... से रहे।

(मालवा/मालेगाँव)

(ख) लुग्गा ..... के पर्याय शब्द ह। (धोती/साड़ी)

(ग) कबीर साहेब ..... के रहनी। (प्रयाग/बनारस)

(घ) 'राउर' के आदरसूचक ..... मानल जाला।

(संज्ञा/सर्वनाम)

(ङ) मैथिली आ मगही ई दूनों भोजपुरी के ..... हई सन। (सगी बहिन/चचेरी बहिन)

3. नीचे लिखल कवितांश के सप्रसंग व्याख्या करीं : 7

'हमनी के इनरा के निगिचे न जाइले जा
पाँके में से भरि-भरि पिअतानी पानी
पनही से पिटि-पिटि हाथ गोड़ तुड़ि देलें
हमनी के एतनी काही के हलकानी ?

4. हरेन्द्रदेव नारायणजी के काव्य 'कुँवर सिंह' के भावपक्ष पर विचार करीं। 7

5. 'रजाई' कहानी के मुख्य पात्र 'कँगाली' के चरित्र-चित्रण करीं। 7

6. 'खटिया' निबंध के संदर्भ में खटिया के गुण-अवगुण के विवेचना करीं। 7

7. 'मेहरारुन के दुरदसा' नाटक के देशकाल-परिस्थिति पर प्रकाश डालीं। 7

8. भाव-पल्लवन के महत्व बताईं। 5

× × × × ×